backbone, that is, 33/11 and 66/11 KV sub-station in each block, from there to the feeder line, to the village. electrification infrastructure of one transformer in each village. Here this is the weakest link of our power sector. we are giving the maximum strength there by linking the sub-transmission system. That is one aspect. Secondly she has already asked how we are going to meet the demand. Our demand in the Tenth Plan is 41,110 MW. That is the target that we have . For the first time we are going to achieve it. We are going with it. In the Eleventh Plan, which comes up to 2012, we are meeting—advance planning is already done -- 66,000 MW. By this direct approach to the State Electricity Boards, States and all stakeholders we are planning to see the regular flow of light and like the urban areas the rular areas should also get quality electricity at affordable price. There will not be any problem.

अयोध्या में आतंकवादी हमला

†*45. **श्रीमती सविता शारदा:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में आतंकवादियों ने अयोध्या में राम जन्म भूमि पर हमला किया था;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस आतंकवादी हमले में कितने व्यक्ति मारे गए और घायल हुए;

(घ) क्या किसी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली थी;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) क्या इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सरकार का कठोर कदम उठाने का विचार है; और

(छ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्यों है?

गृहमंत्री (श्री शिवराज वी॰ पाटिल): (क) से (छ) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) से (ङ) 5.7.2005 को लगभग 09.15 बजे 5 आतंकवादी मार्शल जीप में अयोध्या स्थित राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद परिसर में अधिग्रहत क्षेत्र के अवरोधकों के निकट आए। जीप से उतरने के पश्चात, उन्होंने जीप को विस्फोट से उड़ा दिया और इस तरह उन्होंने

†Original notice of the question was received in Hindi.

अवरोधकों में एक छेद कर दिया जिसके जरिए वे परिसर में पहुंच गए। इन आतंकवादियों ने केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बल तथा प्रांतीय सशस्त्र रक्षीदल (पीएसी), उत्तर प्रदेश के सुरक्षा कार्मिकों पर भारी गोलीबारी शुरू कर दी और हथगोले फैंके। परिसर में सुरक्षा कार्मिकों ने तुरंत मोर्चा संभाल लिया तथा तत्काल और प्रभावपूर्ण तरीके से जवाबी कार्रवाई की और सभी पांचों आतंकवादियों को मार गिराया। परस्पर गोलीबारी में केन्द्रीय अर्द्ध सैनिक बल के तीन कार्मिकों और पीएसी के एक कांस्टेबल को चोटें आई। आतंकवादियों द्वारा जीप को उड़ाने के फलस्वरूप एक सिविलियन मारा गया और दो सिविलियन घायल हो गए। उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है। अभी तक किसी भी ग्रुप ने घटना की जिम्मेदारी का दावा नहीं किया है।

(च) से (छ) जी, हां श्रीमान। स्थिति का मौके पर जायजा लेने के लिए केन्द्रीय मंत्री ने 06.07.2005 को अयोध्या का दौरा किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ भी चर्चा की। यह निर्णय लिया गया कि राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद परिसर सहित मथुरा स्थित कृष्ण जन्म भूमि-शाही ईदगाह, वाराणसी स्थित ज्ञान व्यापी मस्जिद-काशी विश्वनाथ मंदिर तथा आगरा स्थित ताज महल की सुरक्षा व्यवस्थाओं की केन्द्रीय और राज्य एजेंसियों द्वारा संयुक्त रूप से समीक्षा की जाए तथा उन्हें और सुदृढ़ करने के लिए उपर्युक्त कार्रवाई की जाए। इन सभी परिसरों में सुरक्षा व्यवस्थाओं की 14 जुलाई, 2005 को केन्द्रीय और उत्तर प्रदेश राज्य सरकार के अधिकारियों की बैठक में समीक्षा की गई। उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों ने बैठक में सूचित किया कि उत्पन्न नए खतरे की आशका को ध्यान में रखते हुए और समयबद्ध तरीके से कार्यान्वयन हेतु सभी परिसरों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए संशोधित कार्रवाई योजनाएं तैयार करने के लिए राज्य सरकार द्वारा एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है।

सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रशासनों को उनके क्षेत्राधिकार में आने वाले महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों, राष्ट्रीय महत्व के भवनों, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों, ऐतिहासिक स्मारकों आदि जिन पर आतंकवादी हमले कर सकते हैं, की सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करने का भी अलग से सुझाव दिया गया है।

Terrorist attack in Ayodhya

†*45. SHRIMATI SAVITA SHARDA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that terrorists recently attacked Ram Janam Bhumi in Ayodhya;

†Original notice of the question was received in Hindi.

(b) if so, the details thereof;

(c) the number of persons killed and injured in the terrorist attack;

(d) whether any one has taken the responsibility for the attack;

(e) if so, the details thereof;

(f) whether Government propose to take stringent steps to prevent the recurrence of such incidents; and

(g) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): (a) to (g) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (e) On 5.7.2005 at about 09.15 hours, 5 terrorists came near the barricading of the acquired area in Ram Janam Bhoomi-Babri Masjid Complex at Ayodhya in a Marshal Jeep. After getting down, they blasted the Jeep and thus made a hole in the barricading through which they entered the complex. These terrorists resorted to heavy firing and launching of grenades on the security personnel comprising of Central Reserve Police (CRPF) and Provinical Armed Constabulary, Uttar Pradesh (PAC). The Security personnel in the Complex immediately took positions and retaliated promptly and effectively killing all the five terrorists. In the exchange of fire three CRPF Personnel and one constable of the PAC sustained injuries. One civilian was killed in the blasting of the jeep by the terrorists and two civilians were injured. Investigations of the incident by the Uttar Pradesh Police are in progress. No group has claimed responsibility for the incident so far.

(f) and (g) Yes, Sir, The Union Home Minister visitd Ayodhya on 06.07.2005 for an on the spot assessment of the situation. He also held discussions with the Chief Minister of Uttar Pradesh. It was decided that the security arrangements for the Ram Janam Bhoomi-Babri Masjid Complex as also the Krishna Janam Bhoomi-Shahi Idgah at Mathura, Gyanvapi Mosque-Kashi Vishwanath Temple at Varanasi and Taj Mahal at Agra be reviewed jointly by the Central and State agencies and appropriate action taken to further strengthen them. The security arrangements at all these complexes were reviewed in a meeting of Central and Uttar Pradesh

State Government officials on the 14th July, 2005. At the meeting Government of Uttar Pradesh officials informed that a High Level Committee had been set up by the State Government to prepare revised action plans for upgrading the security for all the complexes keeping in view the newly emerging threat perceptions for implementation in time bound manner.

Separately all the State Government/UT Administrations have also been advised to review the security arrangements at important religious shrines, buildings of national importance, vital installations, historical monuments, etc. located within their jurisdiction, and which may be vulnerable to terrorist attacks.

श्रीमती सविता शारदा: सभापति महोदय।

श्री सभापति: माननीय सदस्या, आज इसी विषय पर चर्चा हो रही है।

श्रीमती सविता शारदा: सर, मेरा क्वैश्चन है।

श्री सभापति: एक मिनट, आप सुन तो लीजिए। क्वैश्चन पूछ लें, मुझे एतराज नहीं है, लेकिन इसी विषय पर आज चर्चा होगी, अगर आप उस समय चर्चा में इस मुद्दे को उठाना चाहें तो उस वक्त उठा लें।

श्रीमती सविता शारदा: सर, मेरे दो छोटे-छोटे प्रश्न हैं।

श्री सभापति: ठीक है, आप सवाल पूछें।

श्रीमती सविता शारदा: सभापति महोदय, आपका बहुत बहुत धन्यवाद। राम जन्म-भूमि, जो एक धार्मिक स्थल है, उसकी सुरक्षा अति-संवेदनशील है। केन्द्रीय सरकार ने कहा है कि उन्होंने राज्य सरकार को अयोध्या पर होने वाले संभावित हमले की जानकारी दी थी, लेकिन राज्य सरकार इस जानकारी से इंकार कर रही है। जहां तक मीडिया द्वारा प्रकाशित खबरों से पता चला है कि जिस वाहन का आतंकवादियों ने उपयोग किया था, उस पर राजनीतिक दल का झंडा लगा हुआ था। जो वर्तमान समय में उत्तर प्रदेश में राज कर रही है। क्या मंत्री जी यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या राज्य सरकार का आतंकवादियों को किसी प्रकार का संरक्षण प्राप्त था या एक सरकार दूसरी सरकार के ऊपर दोषारोपण करके अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहती है?

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: श्रीमन्, मैं नहीं कहूंगा कि राज्य सरकार का आतंकवादियों को कोई संरक्षण था।

श्रीमती सविता शारदा: सर, प्रश्न का जवाब ही नहीं दिया।...**(व्यवधान)**...

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: प्रश्न का जवाब ही नहीं दिया।...**(व्यवधान)**...

श्री सभापति: मैंने इसीलिए कहा था कि जिस समय डिबेट हो, उस समय इस प्रश्न को उठाना।

श्रीमती सविता शारदा: सर, इन्होंने मेरे जितने भी प्रश्न हैं, उनमें से किसी एक का भी ऐसा उत्तर नहीं दिया जिससे मैं संतुष्ट हो सकूं। इसलिए जब इस पर लम्बी-चौड़ी चर्चा होगी, मैं मानती हूं कि उस समय मैं यही बैठकर चर्चा में भाग लूंगी और उसको सुनुंगी भी। लेकिन, सर, यह जो जवाब दिया गया है, बहुत ही औपचारिक रूप से दिया गया है, इसमें यह होगा, वह होगा ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: प्रश्न करिए।

श्रीमती सविता शारदा: मेरे पहले प्रश्न का उत्तर तो दिया ही नहीं है।

श्री सभापति: क्वेश्चन तो करिए।

श्री प्यारे लाल खंडेलवाल: सर, उत्तर तो दिलवाइए पूरा। एक सवाल पूछ रही हैं माननीय सदस्या, उसका जवाब ही नहीं दिया।

श्री सभापति: उत्तर दे दिया है इन्होंने।

श्रीमती सविता शारदा: चलिए, मेरे पहले प्रश्न का उत्तर जब आप देंगे, तब देंगे, लेकिन मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि चाहे जम्मू में रघुनाथ मंदिर हो, स्वामी नारायण का मंदिर हो या अयोध्या में राम मंदिर हो, जब भी कभी आतंकवादियों का हमला होता है, तो सरकार यही कहती है कि हम सुझाव दे रहे हैं, हम यह कर रहे हैं, वह कर रहे हैं, हम पॉलिसीज बना रहे हैं। मुझे लगता है कि आप लोग पॉलिसीज ही बनाते रहेंगे या उनके ऊपर कोई कठोर कदम भी उठाएंगे? मेरा सर, एक स्पेशल मेंशन था, जिसमें मैंने बताया था कि मैच देखने के लिए जो लोग आए थे, उनमें से 2715 लोग नहीं मिले, जिनमें से 11 बिल्कुल ही नहीं मिले। क्या उनका संबंध उन 11 आतंकवादियों से है और अभी तक क्या उन आतंकवादियों को इस देश से बाहर निकाला गया है या नहीं? क्योंकि धीरे-धीरे करके जो भी आतंकवादी आ रहे हैं, उनके ऊपर सुरक्षा कर्मियों का जरा भी प्रभाव नहीं है। क्या हो रहा है, कैसे हो रहा है, मुझे इसकी पूरी जानकारी मंत्री महोदय से चाहिए।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: श्रीमन्, मैं यह कहना चाहूंगा कि केन्द्र सरकार और प्रान्त की सरकार एक दूसरे के खिलाफ काम नहीं कर रही हैं, एक दूसरे के साथ मिलकर काम रही हैं।

श्रीमती सविता शारदा: लगता तो नहीं है।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: इसलिए यहां के मंत्री के मुख से कहलवा लेना कि कुछ चीजें, जैसे वहां पर झंडा लगा हुआ था, इसलिए वह उनका साथ दे रही थी, ऐसा आप भी अच्छी तरह से जानते हैं कि सरकार को नहीं करना चाहिए ओर ऐसा हम करेंगे भी नहीं। बात यह है कि हमने जो सूचनाएं

दी हैं प्रान्त की सरकार को, वे सिर्फ सूचनाएं ही नहीं दी हैं, हमारे लोग भी वहां पर हैं, पैरामिलिट्री फोर्सिस के लोग भी वहां पर हैं। अयोध्या में जो इनर सरकल है, उसमें वहां पर पैरामिलिट्री फोर्सिस हैं और उन्होंने ही वह किया है ओर दूसरी जगहों पर भी, जहां पर भी ये सूचनाएं दी गई हैं और जहां से भी मांग हुई है, वहां पर भी पैरामिलिट्री फोर्सिस, केन्द्र सरकार की जो पुलिस है, वह वहां जाकर काम करती है। तो यह समझना कि हम सिर्फ सूचना देकर चुप-चाप बैठे रहते हैं, हाथ पर हाथ धरे हुए, ऐसी बात नहीं है। सूचना भी देते हैं, मदद भी करते है और एक दूसरे का साथ मिलकर उस काम को करने की कोशिश करते हैं।

जहां तक सवाल है, जो उन्होंने पूछा है कि यहां पर कुछ लोग आए हुए थे, वे गायब हो गये हैं और वे वापिस नहीं गए हैं, उनको ढूंढ़ने का काम क्या हुआ है मैं बताना चाहता हूं कि हमने उनको ढूंढ़ने का काम चालू रखा है। और मिल जाने के बाद उनको हम जरूर वापिस कराएंगे। हमारे सामने सवाल यह है कि पड़ोसी राष्ट्र के साथ अच्छे संबंध रखने हैं और वहां से कुछ लोग आते हैं तो उनको आने देना है या नहीं आने देना है। आने के बाद, अगर 100 लोग आ गए और उनमें से दो-चार लोग गलत विचार मन में लेकर या ऐसे विचार मन में लेकर आ गए, तो उस विचार के लोगों ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: उस विचार के लोगों के कारण 100 लोग जो आते हैं, उनका आना भी बंद करना है या नहीं करना है, यह सवाल है। वे लोग आए हैं, वे कहीं गए हैं, ऐसा कहा गया है, उनको ढूंढ़ निकालने का काम चालू है। ...(**व्यवधान**)...

श्री बलबीर के॰ पुंज (उत्तर प्रदेश): मिनिस्टर साहब, यह देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सविता शारदा: सर, यह देश की सुरक्षा का बहुत ही गंभीर मामला है और ये जो कह रहे हैं कि जो लोग आ रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: घुसपैठ की वकालत कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सविता शारदा: हमने पाकिस्तान के साथ अपने संबंध रखने हैं इसलिए आतंकवादी आते रहें, यह नहीं चलेगा, सर। ...(**व्यवधान**)... यह कैसी बात है? ...(**व्यवधान**)... सर, यह कैसी बात है कि पाकिस्तान के साथ हमको अच्छे संबंध रखने हैं तो वे आतंकवादी हमारे देश में आते रहें। ...(**व्यवधान**)... सर, यह गलत बात है। ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: पाकिस्ताान से अच्छे संबंध रखने हैं, यह ठीक है, लेकिन किस कीमत पर? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: वे बोल रहे हैं, आगे बोल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: सर, वे यह बोल रहे हैं कि उनमें कुछ लोग खराब भी आ जाते हैं, वह भी चलने देना है या नहीं चलने देना है ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: किस कीमत पर मित्रता रखेंगें? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: क्या गृह मंत्री जी को मालूम है कि वे क्या कह रहे हैं? क्या कहा है उन्होंने अभी इस सदन में ...(**व्यवधान**)... अगर सौ लोग आते हैं भारत में, उनमें से अगर चार लोग भी आतंकवादी होते हैं ...(**व्यवधान**)... तो बाकियों को आने देना है या नहीं आने देना है? ये क्या कह रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: पूर्व की तरफ से दो-चार नहीं आते हैं, वहां से तो हज़ारों आते हैं और बिना परमिट के आते हैं, उनका क्या होगा? ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: ये क्या कह रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माननीय सदस्य, कृपया आप अपनी सीट पर बैठ जाइए।

श्रीमती सुषमा स्वराज: सभापति जी, आंतरिक सुरक्षा का ज़िम्मा गृह मंत्रालय का है और संबंधित मंत्री अगर ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: श्री बलबीर पुंज

श्री रुद्रनायाण पाणि: सभापति महोदय ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, यह रिकॉर्ड पर नहीं जाएगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री आनन्द शर्मा: सभापति जी, वह तो इनके अध्यक्ष बोल रहे हैं। अपने अध्यक्ष, श्री आडवाणी जी से पूछिए जाकर ...(**व्यवधान**)...

श्रीमती सुषमा स्वराज: क्या बोला है उन्होंने ...(**व्यवधान**)... क्या कहा है हमारे अध्यक्ष ने? ...(**व्यवधान**)...

श्री आनन्द शर्मा: बिल्कुल बोला है उन्होंने। ...(**व्यवधान**)... आप अयोध्या पर राजनीति करते हैं। ...(**व्यवधान**)... आपको कोई हक़ नहीं है ...(**व्यवधान**)... जिन्होंने उस हमले को रोका ...(**व्यवधान**)... आप उसकी पैरवी नहीं करते ...(**व्यवधान**)... लीगल वायलेशन की वकालत ...(**व्यवधान**)... आपके पास आज कोई मुद्दा नहीं है ...(**व्यवधान**)... आप संघ और जिन्ना से निकल जाइए ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: मैं आपके सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूं। आप सवाल पूछिए। यदि आप सभी लोग बोलेंगे तो मैं क्या बोलूंगा?

श्रीमती सुषमा स्वराज: सवाल पूछा तो है।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: सभापति जी, ...(व्यवधान)... दो-चार लोग उसमें ऐसे आ जाते हैं तो उन्हें आने देना है या नहीं आने देना है। यह सवाल दो-चार लोगों का नहीं है।

एक माननीय सदस्य: सभापति जी, मुझे बोलने दीजिए। मैं आपका संरक्षण चाहता हूं।

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: मैंने यह पूछा है कि यह तो हज़ारों लोगों के आने का सवाल है और ...(व्यवधान)... के नाम पर हम अवैध घुसपैठ होने दें, यह कहां तक उचित है, यही सवाल है। यह जिम्मेदारी आपकी है कि आप इसे देखें क्योंकि पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण सभी तरफ से घुसपैठ हो रही है। केवल दो-चार लोगों का सवाल नहीं है। इस पर आप बताएं कि आपका मन्तव्य क्या है?

श्री सभापति: आप बैठ जाइए, बैठ जाइए।

श्री शिवराज वी॰ पाटिल: महोदय, मैंने अपने जवाब में यह कहा कि वे लोग यहां आए हुए थे और वे लोग वापिस नहीं गए हैं और उन्हें ढूंढने का काम चालू है। यह कहते समय मैंने इंडिकेट किया कि वे किस हालत में यहां पर आए। अगर मैच देखने के लिए उधर से लोग आए ओर वे लोग नहीं गए तो मैच देखने के लिए आने वाले लोगों को रोकना दुरुस्त था कि नहीं था। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं यह कह रहा हूं कि हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है या हम उन्हें ढूंढ कर नहीं निकालेंगे या हम उन्हें वापिस नहीं भेजेंगे। अगर आपका ...(व्यवधान)... खत्म हो गया है और आप जोर से कहना चाहेंगे ...(व्यवधान)... तो मैं उसको मदद नहीं कर सकता हूं। ...(व्यवधान)...

डा॰ मुरली मनोहर जोशी: माननीय गृह मंत्री जी का ...(व्यवधान)... अगर सौ उसमें से आते हैं ...(व्यवधान)... अगर उसके दो-चार मलत इरादा लेकर के भी आते हैं, तो उनको अपने देना है या नहीं आने देना है, इसके बारे में विचार करना जरूरी है। ...(व्यवधान)...

श्री सभापति: जोशी जी, सुनिए, एक मिनट सुनिए आप। यह प्रश्न जब अयोध्या के ऊपर चर्चा होगी उस समय उठा लीजिएगा। Question Hour is over.